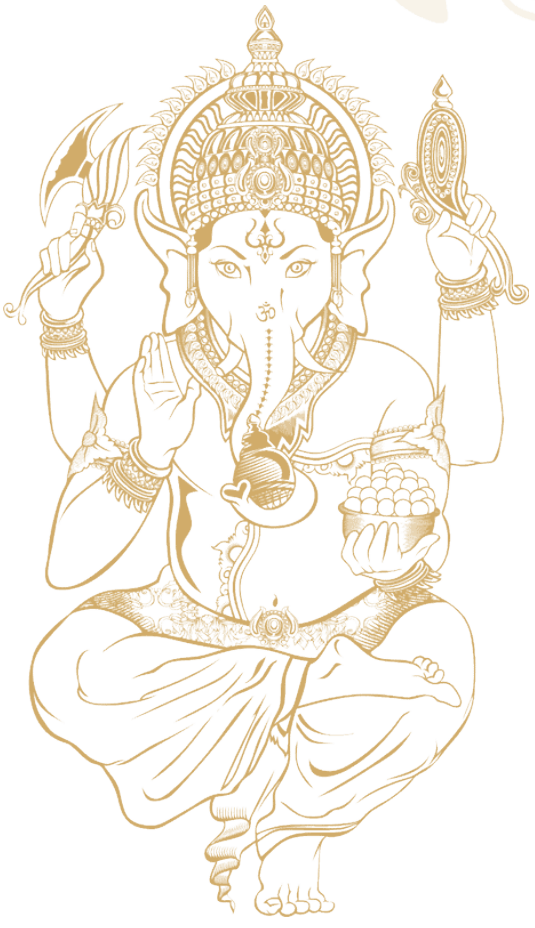

Ashwin

25 Nov 2003

04:15 AM

Mughal Sarai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121805503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/11/2003**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:15:00 घंटे**
इष्ट	54:45:18 घटी
स्थान	**Mughal Sarai**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:18:00 उत्तर
रेखांश	83:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:17:28 घंटे
वेलान्तर	00:13:29 घंटे
साम्पातिक काल	08:31:23 घंटे
सूर्योदय	06:20:52 घंटे
सूर्यास्त	17:07:18 घंटे
दिनमान	10:46:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	08:19:36 वृश्चिक
लग्न के अंश	10:00:12 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सुकर्मा
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:00:12	318:10:45	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	08:19:36	01:00:42	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	22:24:09	15:10:41	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	नीच राशि
मंगल			कुंभ	24:13:36	00:30:46	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			वृश्चि	24:59:41	01:27:05	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			सिंह	22:33:28	00:06:57	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			धनु	03:29:10	01:14:31	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
शनि	व		मिथु	18:31:12	00:03:09	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:33:52	00:00:50	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:33:52	00:00:50	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:06:09	00:00:50	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:47:47	00:01:06	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:11:58	00:02:12	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कर्क	11:34:15	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:27

लग्न-चलित

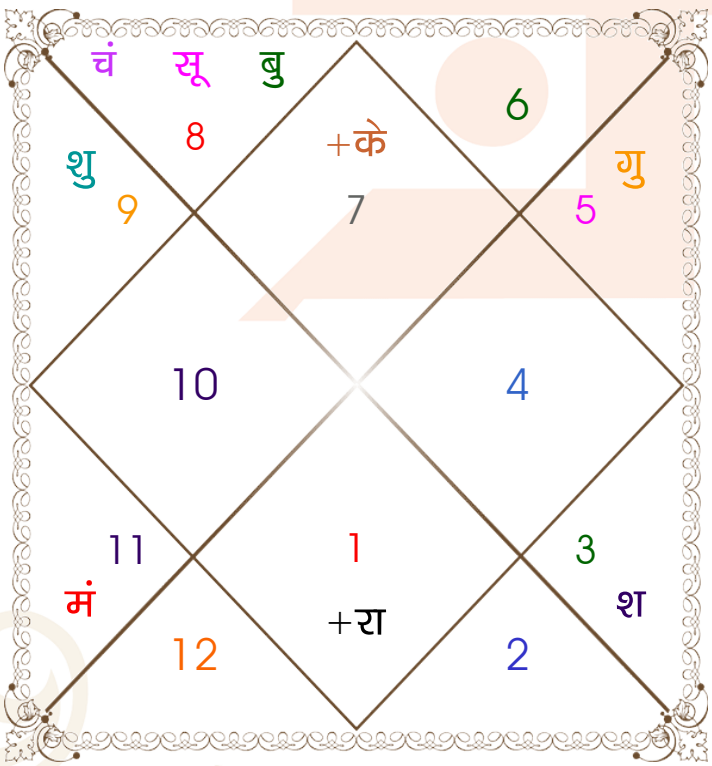

चन्द्र कुंडली

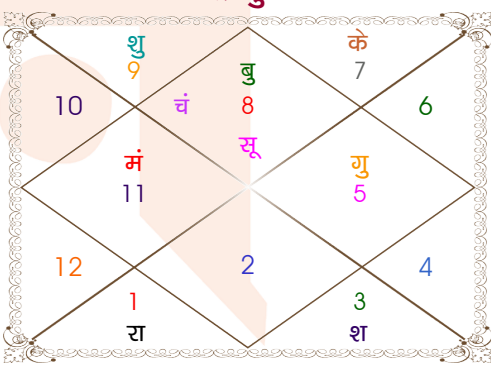

नवमांश कुंडली

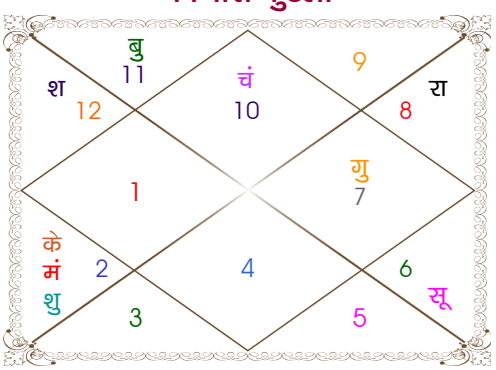

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 8 मास 7 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/11/2003		02/08/2013		01/08/2020		01/08/2040		02/08/2046	
02/08/2013		01/08/2020		01/08/2040		02/08/2046		01/08/2056	
	00/00/0000	केतु	29/12/2013	शुक्र	02/12/2023	सूर्य	19/11/2040	चंद्र	02/06/2047
	00/00/0000	शुक्र	28/02/2015	सूर्य	01/12/2024	चंद्र	21/05/2041	मंगल	01/01/2048
	00/00/0000	सूर्य	06/07/2015	चंद्र	02/08/2026	मंगल	26/09/2041	राहु	02/07/2049
	25/11/2003	चंद्र	04/02/2016	मंगल	02/10/2027	राहु	20/08/2042	गुरु	01/11/2050
चंद्र	31/01/2005	मंगल	02/07/2016	राहु	02/10/2030	गुरु	08/06/2043	शनि	02/06/2052
मंगल	28/01/2006	राहु	21/07/2017	गुरु	02/06/2033	शनि	20/05/2044	बुध	01/11/2053
राहु	17/08/2008	गुरु	26/06/2018	शनि	01/08/2036	बुध	27/03/2045	केतु	02/06/2054
गुरु	23/11/2010	शनि	05/08/2019	बुध	02/06/2039	केतु	02/08/2045	शुक्र	01/02/2056
शनि	02/08/2013	बुध	01/08/2020	केतु	01/08/2040	शुक्र	02/08/2046	सूर्य	01/08/2056

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/08/2056		02/08/2063		02/08/2081		02/08/2097		02/08/2116	
02/08/2063		02/08/2081		02/08/2097		02/08/2116		00/00/0000	
मंगल	29/12/2056	राहु	14/04/2066	गुरु	20/09/2083	शनि	06/08/2100	बुध	30/12/2118
राहु	16/01/2058	गुरु	07/09/2068	शनि	02/04/2086	बुध	16/04/2103	केतु	27/12/2119
गुरु	23/12/2058	शनि	15/07/2071	बुध	08/07/2088	केतु	24/05/2104	शुक्र	27/10/2122
शनि	01/02/2060	बुध	31/01/2074	केतु	14/06/2089	शुक्र	25/07/2107	सूर्य	03/09/2123
बुध	28/01/2061	केतु	19/02/2075	शुक्र	13/02/2092	सूर्य	06/07/2108	चंद्र	26/11/2123
केतु	26/06/2061	शुक्र	19/02/2078	सूर्य	01/12/2092	चंद्र	04/02/2110		00/00/0000
शुक्र	26/08/2062	सूर्य	13/01/2079	चंद्र	02/04/2094	मंगल	16/03/2111		00/00/0000
सूर्य	01/01/2063	चंद्र	14/07/2080	मंगल	09/03/2095	राहु	20/01/2114		00/00/0000
चंद्र	02/08/2063	मंगल	02/08/2081	राहु	02/08/2097	गुरु	02/08/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 8 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।